THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

प्रश्न **1 –** रहीम ने प्रेम के बंधन को किसकी तरह कहा है?
(A) तार
(B) धागे
(C) डोरी
(D) सूत

प्रश्न **2 –** रहीम दूसरों से क्या छुपा कर रखने को कहते है?
(A) दुःख
(B) धागा
(C) मजाक
(D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **3 –** रहीम ने एक समय में कितने काम करने को कहा है?
(A) चार
(B) दो
(C) एक
(D) तीन

प्रश्न **4 –** चित्रकूट में कौन रहने गए थे?
(A) रहीम
(B) राम
(C) कृष्ण
(D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **5 –** चित्रकूट रहने योग्य क्यों नहीं है?
(A) वह बहुत दूर है
(B) वहाँ कुछ नहीं है
(C) वह खण्डार है
(D) वह बहुत घना वन है

प्रश्न **6 –** रहीम के दोहे कैसे होते है?
(A) लम्बे
(B) बिना अर्थ के
(C) कम शब्द के
(D) कम शब्दों में अधिक अर्थ बताने वाले

प्रश्न **7 –** किसके जल को धन्य कहा गया है?
(A) कीचड़
(B) सागर
(C) नदी
(D) तालाब

प्रश्न **8 –** किसके जल को व्यर्थ कहा गया है?
(A) कीचड़
(B) सागर
(C) नदी
(D) तालाब

प्रश्न **9 –** हिरण किससे खुश होकर अपना शरीर न्यौछावर कर देता है?
(A) संगीत
(B) इंसान
(C) गाना
(D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **10 –** दूसरों के प्रेम को देखकर लोग क्या त्यागने को तैयार रहते है?
(A) घर
(B) सम्पति
(C) धन
(D) सब-कुछ

प्रश्न **11 –** दूध के फटने पर उसका क्या नहीं बनता?
(A) लस्सी (B) घी
(C) मक्खन (D) खीर

प्रश्न **12 –** बात के बिगड़ने पर क्या होता है?
(A) बात फिर नहीं बनती (B) बात फिर बन जाती है
(C) बात टाल दी जाती है (D) बात दोहराई जाती है

प्रश्न **13 –** बड़ी चीज को देखकर किसी छोटी चीज की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, इसका क्या अर्थ है?
(A) बड़ी चीज़ काम की होती है
(B) छोटी चीज़ काम की होती है
(C) हर चीज़ का अपना महत्त्व है
(D) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न **14 –** सूई की जगह क्या काम नहीं आता?
(A) तार (B) धागे
(C) डोरी (D) तलवार

प्रश्न **15 –** तलवार की जगह क्या काम नहीं आता?
(A) तार (B) धागे
(C) सूई (D) सूत

प्रश्न **16 –** रहीम ने पानी के कितने अर्थ लिए है?
(A) दो (B) चार
(C) पाँच (D) तीन

प्रश्न **17 –** मनुष्यों के लिए पानी का क्या अर्थ है?
(A) विनम्रता (B) चमक
(C) जल (D) जीवन

प्रश्न **18 –** मोती के लिए पानी का क्या अर्थ है?
(A) विनम्रता (B) चमक
(C) जल (D) जीवन

प्रश्न **19 –** चून के लिए पानी का क्या अर्थ है?
(A) विनम्रता (B) चमक
(C) जल (D) जीवन

प्रश्न **20 –** किसके बिना जीवन असंभव है?
(A) विनम्रता (B) चमक
(C) जल (D) जीवन

प्रश्न 1.
'मिले गाँठ परिजाय'-ऐसा रहीम ने किस संदर्भ में कहा है और क्यों?
उत्तर-
'मिले गाँठ परिजाय' ऐसा रहीम ने 'प्रेम संबंधों के बारे में कहा है, क्योंकि प्रेम संबंधों की डोर बड़ी नाजुक होती है। एक बार टूट जाने पर जब इसे जोड़ा जाता है तो मन में मलिनता और पिछली बातों की कड़वाहट होने के कारण एक गाँठ-सी बनी रहती है।

प्रश्न 2.
बिगरी बात क्यों नहीं बन पाती है? इसके लिए कवि ने क्या दृष्टांत दिया है?
उत्तर-
जब मेन में मतभेद और कड़वाहट उत्पन्न होती है, तब बात बिगड़ जाती है और यह बात पहले-सी नहीं हो पाती है। इसके लिए रहीम ने यह दृष्टांत दिया है कि जिस तरह दूध फट जाने पर उससे मक्खन नहीं निकाला जा सकता है, उसी प्रकार बात को पुनः पहले जैसा नहीं बनाया जा सकता है।

प्रश्न 3.
कुछ मनुष्य पशुओं से भी हीन होते हैं। पठित दोहे के आधार पर हिरन के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।
उत्तर-
हिरन शिकारी की आवाज़ सुनकर उसे दूसरे हिरनों की आवाज़ समझ बैठता है और खुश हो जाता है। वह अपनी सुधि बुधि खोकर उस आवाज़ की ओर आकर अपना तन दे देता है परंतु मनुष्य खुश होकर भी दूसरों को कुछ नहीं देता है। इस तरह कुछ मनुष्य पशुओं से भी हीन होते हैं।

प्रश्न 4.
रहीम का मानना है कि व्यक्ति को अपनी पीड़ा छिपाकर रखनी चाहिए, ऐसा क्यों?
उत्तर-
रहीम का मानना है कि व्यक्ति को अपने मन की पीड़ा छिपाकर रखनी चाहिए, क्योंकि सहानुभूति और मदद पाने की अपेक्षा से हम अपनी पीड़ा दूसरों के सामने प्रकट तो कर देते हैं परंतु लोग हमारी मदद करने के बजाय हँसी उड़ाते हैं।

प्रश्न 5.
'रहिमन देखि बड़ेन को ... दोहे में मनुष्य को क्या संदेश दिया गया है? इसके लिए उन्होंने किस उदाहरण का सहारा लिया है?
उत्तर-
'रहिमन देखि बडेन को ...' दोहे में मनुष्य को यह संदेश दिया गया है कि बड़े लोगों को साथ पाकर छोटे-लोगों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। छोटे लोगों का काम बड़े लोग उसी प्रकार नहीं कर सकते हैं जिस प्रकार सुई का काम तलवार नहीं कर सकती है।

प्रश्न 6.
'अवध नरेश' कहकर किसकी ओर संकेत किया गया है? उन्हें चित्रकूट में शरण क्यों लेनी पड़ी?
उत्तर-
'अवध नरेश' कहकर श्रीराम की ओर संकेत किया गया है। उन्हें चित्रकूट में इसलिए शरण लेनी पड़ी, क्योंकि वे अपने पिता के वचनों के पालन के लिए लक्ष्मण और सीता के साथ वनवास जा रहे थे। वनवास को कुछ समय उन्होंने चित्रकूट में बिताया था।

प्रश्न 6.
रहीम ने मूल को सींचने की सीख किस संदर्भ में दी है और क्यों?
उत्तर-
कवि रहीम ने मनुष्य को यह सीख दी है कि वह तना, पत्तियाँ, शाखा, फूल आदि को पानी देने के बजाय उसकी जड़ों को ही पानी दे। इससे पौधा खूब फलता-फूलता है। यह सीख कवि ने एक बार में एक ही काम पर मन लगाकर परिश्रम करने के संदर्भ में दी है।

प्रश्न 7.
नट किस कला में पारंगत होता है? रहीम ने उसका उदाहरण किसलिए दिया है?
उत्तर-
नट कुंडली मारकर अपने शरीर को छोटा बनाने की कला में पारंगत होता है। रहीम ने उसका उदाहरण दोहे की विशेषता बताने के संदर्भ में दिया है। दोहा अपने कम शब्दों के कारण आकार में छोटा दिखाई देता है परंतु वह अपने में गूढ अर्थ छिपाए होता है।

प्रश्न 8.
व्यक्ति को अपने पास संपत्ति क्यों बचाए रखना चाहिए? ऐसा कवि ने किसके उदाहरण द्वारा कहा है?
उत्तर-
व्यक्ति को अपने पास संपत्ति इसलिए बचाए रखना चाहिए क्योंकि उसकी अपनी संपत्ति ही विपत्ति में उसके काम आती है। इसके अभाव में अपना कहलाने वाले भी काम नहीं आते हैं। कवि ने इसके लिए जलहीन कमल और सूर्य का उदाहरण दिया है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
आज की परिस्थितियों में रहीम के दोहे कितने प्रासंगिक हैं? किन्हीं दो उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।
उत्तर-
रहीम द्वारा रचित दोहे नीति और आदर्श की शिक्षा देने के अलावा मनुष्य को करणीय और अकरणीय बातों का ज्ञान देते हुए कर्तव्यरत होने की प्रेरणा देते हैं। समाज को इन बातों की अपेक्षा इन दोहों के रचनाकाल में जितनी थी,

उतनी ही। आज भी है। आज भी दूसरों का दुख सुनकर समाज उसे हँसी का पात्र समझता है। इसी प्रकार अपने पास धन न होने पर व्यक्ति की सहायता कोई नहीं करता है। ये तथ्य पहले भी सत्य थे और आज भी सत्य हैं। अत: रहीम के दोहे आज भी पूर्णतया प्रासंगिक हैं।

प्रश्न 2.
रहीम ने अपने दोहों में छोटी वस्तुओं का महत्त्व प्रतिपादित किया है। इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
उत्तर
कवि रहीम को लोक जीवन का गहरा अनुभव था। वे इसी अनुभव के कारण जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं की सूक्ष्म परख रखते थे। उन्होंने अपने दोहे में मनुष्य को सीख दी है कि वह बड़े लोगों का साथ पाकर छोटे लोगों की उपेक्षा और तिरस्कार न करें, क्योंकि छोटे लोगों द्वारा जो कार्य किया जा सकता है, वह बड़े लोग उसी प्रकार नहीं कर सकते हैं; जैसे सुई की सहायता से मनुष्य जो काम करता है उसे तलवार की सहायता से नहीं कर सकता है। सुई और तलवार दोनों का ही अपनी-अपनी जगह महत्त्व है।

प्रश्न 3.
पठित दोहे के आधार पर बताइए कि आप तालाब के जल को श्रेष्ठ मानते हैं या सागर के जल को और क्यों?
उत्तर-
रहीम ने अपने दोहे में सागर में स्थित विशाल मात्रा वाले जल और तालाब में स्थित लघु मात्रा में कीचड़ वाले जल का वर्णन किया है। इन दोनों में मैं भी तालाब वाले पानी को श्रेष्ठ मानता हूँ। यद्यपि समुद्र में अथाह जल होता है, परंतु उसके किनारे जाकर भी जीव-जंतु प्यासे के प्यासे लौट आते हैं। दूसरी ओर तालाब में स्थित कीचड़युक्त पानी विभिन्न प्राणियों की प्यास बुझाने के काम आता है। अपनी उपयोगिता के कारण यह पंकिल जल सागर के खारे जल से श्रेष्ठ है।